आईआईटी कानपुर में चल रहे कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने डिजाइनिंग की

कम होते भूगर्भ जलस्तर से भूकंप का खतरा

कानपुर। आईआईटी कानपुर में चल रही 'अर्थ क्विक रेसिसटेंट प्रैक्टिसेस फार स्टूडेंट आफ आर्कीटेक्चर कालेजेज एक्रास इंडिया' कार्यशाला के दूसरे दिन डा. दुर्गेश राय और पुणे से आई **प्रोफेसर वसुधा गोखले** ने छात्रों को डिजासटर मैनेजमेंट के साथ सिविल इंजीनियरिंग और आर्कीटेक्ट डिजाइनर के गुर बताए। सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित इस मौके पर छात्रों ने 'डिजाइन एसाइनमेंट' पर काम कर डिजाइन तैयार किए। 11 को यह एसाइनमेंट निर्धारित ज्यूरी सदस्य आरके कक्कड़ (दिल्ली), पारसी इंजीनियर (सूरत), बीके सेठ (अहमदाबाद) और दुर्गेश सी राय, आईआईटी कानपुर द्वारा चयनित किए जाएंगे। सूरत से आई फैकल्टी भावना और मीरा शिरोड़कर (पुणे) ने बताया कि शहरों में लगातार कम हो रहा जलस्तर और जागरूकता की कमी के चलते लोग अनजाने ही भूकंप व आपदाओं की चपेट में आने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यूपी पांचवें जोन में है जबकि कानपुर तीसरे जोन में है। अरबन एरिया में बन रहे फ्लैट और घरों पर भूकंप का खतरा सबसे अधिक है। भूमि जल दोहन, रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम न होना भी इसके बड़े कारण हैं। कोलकाता से आईं फैकल्टी केआर मित्रा ने बताया कि गुजरात ने डिजास्टर मैनेजमेंट पर बहुत अच्छा काम किया है। उधर, सिविल डिपार्टमेंट के सुरेश ऐलावादी ने बताया कि शहर को भूकंपरोधी बनाने के लिए शासन-प्रशासन को बिल्डिंग और लैंड बाई लॉज के नियमों में सख्ती बरतने के साथ इंजीनियरिंग संस्थानों में डिजास्टर मैनेजमेंट के कोर्स व कार्यशालाएं अनिवार्य करना जरूरी है। सरकारी विभागों एवं प्राइवेट विभागों को ट्रेनिंग देने के साथ यह भी जरूरी है कि आर्कीटेक्ट और इंजीनियर के काम अलग किए जाएं।

आईआईटी से सीखें घर बनाने का हुनर

कानपुर। अगर आप भूकंपरोधी, इको फ्रेंडली घर का सपना देख रहे हैं, पर उसकी डिजाइनिंग को लेकर आप देशी-विदेशी वेबसाइट छानकर परेशान हो चुके हैं तो अब आपको और ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अब 'आईआईटीके' आपकी यह मुश्किल हल कर सकती है। आईआईटी सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के फैकल्टी सुरेश ऐलावादी ने बताया कि डिपार्टमेंट में आम आदमी को सुरक्षित घर बनवाने की जानकारी देने के साथ डिजाइनिंग कॉसैप्ट उपलब्ध कराने की पूरी व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति अपना घर या बिल्डिंग डिजाइन करवाने के लिए सिविल इंजीनियरिंग और डिजाइनिंग से जुड़ी कोई भी जानकारी चाहता है तो वह डिपार्टमेंट आकर सीधे उनसे संपर्क कर सकता है। उन्होंने बताया कि सुंदर और सुरक्षित इमारत का सपना संजोने वाले व्यक्ति को संबंधित इंजीनियरों तक पहुंचाने की जानकारी तथा व्यवस्था उपलब्ध है। ऐलावादी ने बताया कि संबंधित व्यक्ति चाहे तो भूकंपरोधी और इको फ्रेंडली इमारत के बुनियादी ढांचे के साथ अपने पूर्व निर्मित घर को भूकंपरोधी बनाने के संसाधन और तकनीकी की जानकारी ले सकता है।

क्या है इको फ्रेंडली घरौंदा-ऐलावादी के अनुसार इको फ्रेंडली आशियाने में रेन वाटर हारवेस्टिंग प्लांट, सोलर एनर्जी सिस्टम, लाइट फिक्सिंग, प्राकृतिक रोशनी, टाइम्ड लाइटिंग और हरियाली की सुविधाओं के साथ इस बात का ख्याल रखा जाता है कि जिस जमीन पर आशियाना तैयार किया जा रहा है वह ऊंची-नीची न हो, घर में आरपार प्राकृतिक प्रकाश की व्यवस्था सुलभ हो, डिजाइन अनुभवी आर्किटेक्ट और इंजीनियर्स की देख-रेख में तैयार किया गया हो, घर में हल्के कंकरीट और ईंट मटीरियल का प्रयोग हो।